दैनिक
न्याय साक्षी

संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-सेहत-फीचर-खाना खजाना-राशिफल

रायगढ़, शनिवार 19 अगस्त 2023
www.nyaysakshi.com

संपादकीय

जब बात बिगड़ती है

स्वतंत्रता दिवस पवित्र मौका है। लेकिन इस दिन राजनीतिक विमर्श के गिरते स्तर की मिसालें खूब देखने को मिलीं। लाल किले से प्रधानमंत्री ने राष्ट्र नेता के बजाय अपनी पार्टी के नेता के रूप में देश को संबोधित किया, तो विपक्ष ने उन पर बदनीयती का आरोप मढ़ दिया।

राजनीतिक संवाद अगर देश के प्रति एक दूसरे की निष्ठा पर संदेह जताने और बदजुबानी तक पहुंच जाए, तो उसे लोकतंत्र के लिए खतरे की घंटी माना जाना चाहिए। दुर्भाग्य से भारत में अब बात इसी मुकाम पर पहुंचती नजर आ रही है। एक समय था, जब प्रधानमंत्री पूरे राष्ट्र की तरफ से बोलते थे और विपक्ष प्रधानमंत्री की आलोचना करने का अपना कर्त्तव्य जरूर निभाता था, लेकिन सार्वजनिक विमर्श में उनके प्रति आदर का भाव का बना रहता था। लेकिन हाल के वर्षों में ये परंपरा टूटने का ऐसा सिलसिला चला कि अब राजनीतिक संवाद में खुल कर अपशब्दों का भी इस्तेमाल होने लगा है। स्वतंत्रता दिवस एक पवित्र मौका है। लेकिन इस दिन विमर्श के गिरते स्तर की मिसालें खूब देखने को मिलीं। लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक राष्ट्र नेता के बजाय अपनी पार्टी के नेता और उसकी विचारधारा के प्रतिनिधि के रूप में देश को संबोधित किया। विपक्षी दलों पर उन्होंने भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण की नीति पर चलने का इल्जाम मढ़ा।

तो उसका जवाब उन्हें कांग्रेस के एक सख्त बयान से मिला। कांग्रेस ने मोदी पर दुर्नीति और अन्याय के रास्ते पर चलने का आरोप तो लगाया ही, साथ ही उन पर बदनीयती के करने का आरोप भी मढ़ दिया। मतलब कांग्रेस मानती है कि प्रधानमंत्री की नीयत ही ठीक नहीं है। इसके ठीक पहले तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ'ब्रायन का एक वीडियो मैसेज वायरल हो चुका था, जिसमें उन्होंने सीधे मोदी को संबोधित करते हुए उन्हें फ्रॉड (दग़ाबाज) कहा है। सोशल मीडिया पर तो ऐसी भाषा का इस्तेमाल काफी पहले आम हो चुका है। लेकिन अब यह मुख्यधारा की राजनीति के संवाद की भाषा भी बनती जा रही है। तो इस तरह विपक्षी नेताओं को 'पप्पू', 'बाबा', भ्रष्ट आदि कह कर उनकी जन-वैधता खत्म करने की जो कोशिश शुरू हुई थी, वह अब अपने जवाबी मुकाम पर पहुंचती दिख रही है। अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि आज बीच का ऐसा कोई सेतु दिखाई नहीं देता, जिसके जरिए संवाद को सुधारते हुए दोनों पक्षों के बीच स्वस्थ संवाद बनने की उम्मीद पैदा होती हो।

नाडा के चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी दुती चंद

नई दिल्ली । एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीतने वाली महिला एथलीट दुती चंद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उन पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी।

वह नाडा की टूर्नामेंट के इतर प्रतिबंधित पदार्थ की डोप जांच में विफल रही थीं। 27 साल की दुती पर गुरुवार को प्रतिबंध लगाया गया था। इस 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट के पिछले साल दिसंबर में लिये गये दो नमूनों में 'अन्य एनाबोलिक एजेंट / एसएआरएमएस' मौजूद थे जो वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं।

ये नमूने पांच और 26 दिसंबर को लिये गये थे और दोनों ही एक समान पदार्थ के पॉजिटिव पाये गये थे।

'एसएआरएमएस' (सलेक्टिव एंड्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलेटर) ऐसे 'नॉन स्टेराइड' पदार्थ हैं जिन्हें आमतौर पर आस्टियोपोरोसिस (हड्डी संबंधित बीमारी), अनीमिया (खून की कमी) और मरीजों में जख्मों से उबरने के लिए किया जाता है।

दुती पर लगा प्रतिबंध इस साल तीन जनवरी से प्रभावी होगा और पांच दिसंबर 2022 को लिये गये पहले नमूने की इस तारीख से उनके सभी प्रतिस्पर्धी नतीजे हटा दिये जायेंगे।

दुती के वकील पार्थ गोस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि यह खिलाड़ी अपने पूरे पेशेवर करियर में 'क्लीन एथलीट' (किसी भी डोपिंग से दूर) रही है और यह मामला इस पदार्थ के 'अनजाने में सेवन' करने का था।

दुती ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में 100 मीटर और 200 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीते थे और उनके नाम 2021 से 100 मीटर में 11.17 सेकेंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

गोस्वामी ने कहा, हमारे लिये यह मामला स्पष्ट तौर पर अनजाने में प्रतिबंधित पदार्थ के सेवन का है। हम इस पदार्थ का स्रोत भी स्पष्ट रूप से जान पाये जो पूरी तरह से उनके इरादे का ठोस सबूत है। इस पदार्थ का इस्तेमाल कभी भी खेल में फायदा उठाने के लिए नहीं किया गया था।

उन्होंने कहा, हम अपील दायर करने की प्रक्रिया में हैं। हमें उम्मीद है कि हम अपीलीय पैनल को यह बात समझाने में सफल रहेंगे।

दुती के वकील ने कहा, दुती भारत का गौरव हैं और वह पूरी तरह से 'क्लीन एथलीट' हैं। एक दशक के चमकदार करियर के दौरान दुती अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर कई डोप जांच से गुजर चुकी हैं और इतने लंबे करियर में वह कभी भी डोप के मामले में पॉजिटिव नहीं आयीं।

दुती और उनके वकील ने नाडा के डोपिंग रोधी अनुशासनात्म पैनल (एडीडीपी) के समक्ष भी दावा पेश किया था कि यह अनजाने में सेवन का मामला था।

एडीडीपी के आदेश के अनुसार, एथलीट और उनके वकील ने एनडीटीएल (राष्ट्रीय डोप जांच प्रयोगशाला) के जांच के नतीजे की रिपोर्ट से इनकार किये बिना कहा कि उन्होंने यह पदार्थ अनजाने में लिया था जो उनके फिजियोथेरेपिस्ट की सलाह पर लिया गया था जिनसे यह एथलीट नियमित रूप से परामर्श लेती हैं।

इसमें कहा गया, एथलीट और उनके वकील ने प्रस्तुत किया कि यह फिजियोथेरेपिस्ट पुलेला गोपीचंद अकादमी का था जहां यह खिलाड़ी विशेष अनुमति के अंतर्गत ट्रेनिंग ले रही थीं।

बढ़ती ईएमआई से मिलेगी राहत !

अब फ्लोटिंग से फिक्स्ड रेट में कर सकेंगें स्विच, आरबीआई ने दिया निर्देश

नईदिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों से कहा है कि ब्याज दरें नए सिरे से तय करते समय वे कर्ज ले रखे ग्राहकों को ब्याज की निश्चित (फिक्स्ड) दर चुनने का विकल्प उपलब्ध कराएं।

केंद्रीय बैंक ने शुक्रवार को जारी अधिसूचना में कहा कि ऐसा देखने में आया है कि ब्याज दर बढ़ने पर कर्ज की अवधि या मासिक किस्त (ईएमआई) बढ़ा दी जाती है और ग्राहकों को इसके बारे में सही तरीके से सूचित नहीं किया जाता है और न ही उनकी सहमति ली जाती है। इस चिंता को दूर करने के लिए रिजर्व बैंक ने अपने नियमन के दायरे में आने वाली इकाइयों को एक उचित नीतिगत ढांचा बनाने को कहा है।

रिजर्व बैंक ने कहा, 'कर्ज की मंजूरी के समय बैंकों को अपने ग्राहकों को स्पष्ट तौर पर बताना चाहिए कि मानक ब्याज दर में बदलाव की स्थिति में ईएमआई या कर्ज की अवधि पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। ईएमआई या कर्ज की अवधि बढ़ने की सूचना उचित माध्यम से तत्काल ग्राहक को दी जानी चाहिए।'

केंद्रीय बैंक ने कहा कि ब्याज दरों को नए सिरे से तय करते समय बैंक ग्राहकों को निश्चित ब्याज दर को चुनने का विकल्प दें। इसके अलावा नीति के तहत ग्राहकों को यह भी बताया जाए कि उन्हें कर्ज की अवधि के दौरान इस विकल्प को चुनने का अवसर कितनी बार मिलेगा। साथ ही कर्ज लेने वाले ग्राहकों को ईएमआई या ऋण की अवधि बढ़ाने या दोनों विकल्प दिए जाएं। अधिसूचना में कहा गया है कि ग्राहकों को समय से पहले पूरे या आंशिक रूप से कर्ज के भुगतान की अनुमति दी जाए। यह सुविधा उन्हें कर्ज के अवधि के दौरान किसी भी समय मिलनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि आरबीआई ने पिछले सप्ताह पेश मौद्रिक नीति समीक्षा में कर्ज लेने वाले लोगों को परिवर्तनशील (फ्लोटिंग) ब्याज दर से निश्चित ब्याज दर का विकल्प चुनने की अनुमति देने की बात कही थी।

नाडा के चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी दुती चंद

नई दिल्ली। एशियाई खेलों में दो रजत पदक जीतने वाली महिला एथलीट दुती चंद राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उन पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध को चुनौती देंगी। वह नाडा की टूर्नामेंट के इतर प्रतिबंधित पदार्थ की डोप जांच में विफल रही थीं। 27 साल की दुती पर गुरुवार को प्रतिबंध लगाया गया था। इस 100 मीटर की राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी एथलीट के पिछले साल दिसंबर में लिये गये दो नमूनों में 'अन्य एनाबोलिक एजेंट / एसएआरएमएस' मौजूद थे जो वाडा की 2023 प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल हैं। ये नमूने पांच और 26 दिसंबर को लिये गये थे और दोनों ही एक समान पदार्थ के पॉजिटिव पाये गये थे। 'एसएआरएमएस' (सलेक्टिव एंड्रोजन रिसेप्टर मोड्यूलेटर) ऐसे 'नॉन स्टेराइड' पदार्थ हैं जिन्हें आमतौर पर आस्टियोपोरोसिस (हड्डी संबंधित बीमारी), अनीमिया (खून की कमी) और मरीजों में जख्मों से उबरने के लिए किया जाता है।

तीरंदाजी: भारतीय पुरुष और महिला रिकर्व टीम ने पेरिस विश्व कप में जीता कांस्य पदक

पेरिस। भारतीय पुरुष और महिला रिकर्व टीमों ने पेरिस, फ्रांस में ओलंपिक खेल स्थल पर तीरंदाजी विश्व कप 2023 चरण 4 में अपने-अपने वर्गों में कांस्य पदक जीते।

धीरज बोम्मदेवरा, अतनु दास और तुषार प्रभाकर शेल्के की रिकर्व पुरुष टीम पोडियम पर अपनी जगह पक्की करने वाली पहली टीम थी, क्योंकि उन्होंने गुरुवार को स्पेनिश तिकड़ी पाब्लो आचा, युन सांचेज़ और एंड्रेस टेमिनो को 6-2 से हराकर पीछे से वापसी की।

स्पेन ने अंतिम चार में पहुंचने के रास्ते में चौथी वरीयता प्राप्त अमेरिका को हराया था, लेकिन भारतीय टीम अंतत: पेरिस की परिस्थितियों में एक कदम आगे साबित हुई।

भजन कौर, अंकिता भकत और सिमरनजीत कौर की रिकर्व महिला टीम ने कांस्य पदक के साथ इस उपलब्धि को दोहराया, क्योंकि टीमों के 4-4 पर बराबरी पर होने के बाद उन्होंने शूट-ऑफ में मेक्सिको की एलेजांद्रा वालेंसिया, एंजेला रुइज़ और ऐडा रोमन को हराया।

मेक्सिको तिकड़ी ने 4-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन भारत ने उन्हें पीछे धकेल दिया और भजन कौर के एक्स के शूट-ऑफ में जीत पक्की करने से पहले स्कोर बराबर कर लिया।

पेरिस में पुरुष टीम द्वारा जीता गया कांस्य पदक इस साल तीरंदाजी विश्व कप में भारत का तीसरा पदक है, और तीरंदाजों ने विश्व तीरंदाजी की आधिकारिक वेबसाइट के साथ मैच के बाद अपने साक्षात्कार में कोच सर्जियो पगनी के प्रभाव की सराहना की।

अडानी ग्रुप ने किया अबू धाबी की कंपनी टीएक्यूए के साथ करार से इनकार

❐ नहीं हो रहा 2.5 अरब डॉलर का सौदा

नईदिल्ली। गौतम अदाणी की कंपनी अदाणी ट्रांसमिशन ने शुक्रवार को इस बात से इनकार कर दिया कि अबू धाबी नैशनल एनर्जी कंपनी, जिसे टीएक्यूए के नाम से जाना जाता है, अदाणी समूह में हिस्सेदारी खरीदने के लिए 1.5 अरब डॉलर से 2.5 अरब डॉलर के बीच निवेश करेगी।

इससे पहले ऐसी खबर आ रही थी कि अबू धाबी की नैशनल एनर्जी कंपनी पीजेएससी (टीएक्यूए) भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने की तैयारी मे है और इसके लिए यह 1.5 से 2.5 अरब डॉलर का निवेश करने जा रही है। लेकिन अदाणी ट्रांसमिशन की तरफ से इस खबर को खारिज कर दिया गया है।

इस रिपोर्ट में बताया गया था कि 1.5 अरब डॉलर से 2.5 अरब डॉलर तक का निवेश सिंगल या उससे ज्यादा ग्रुप बिजनेस में किया जा सकता है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया जा रहा था कि टीएक्यूए अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में लगभग 20 प्रतिशत हिस्सेदारी भी खरीद सकती है।

हालांकि, स्टॉक एक्सचेंज स्पष्टीकरण में, अदाणी ट्रांसमिशन ने कहा, 'इस संबंध में, हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि कंपनी कंपनी में अपने निवेश के लिए अबू धाबी नैशनल एनर्जी कंपनी पीजेएससी (टीएक्यूए) के साथ किसी भी चर्चा में शामिल नहीं है।'

रिपोर्ट के अनुसार, टीएक्यूए ने भी यह कहा कि रिपोर्टों में 'कोई सच्चाई नहीं' है।

इन इनकारों के बावजूद, सूत्रों ने पहले संकेत दिया था कि अबू धाबी सिक्योरिटीज एक्सचेंज पर दूसरा सबसे बड़ा स्टॉक टीएक्यूए, अदाणी समूह की कंपनियों या किसी दूसरी सिंगल यूनिट में निवेश करना चाहता है।

सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि टीएक्यूए अदाणी समूह की कंपनियों या किसी सिंगल यूनिट में 1.5 अरब डॉलर से 2.5 अरब डॉलर के बीच निवेश करने करना चाहती है। इसमें यह भी कहा गया कि दोनों पक्षों का मानना है कि टीएक्यूए और अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, जिसे पहले अदाणी ट्रांसमिशन के नाम से जाना जाता था, के बीच एक महत्वपूर्ण तालमेल था और इससे उत्तरी अफ्रीका और पश्चिम एशिया में परियोजनाओं पर एक साथ काम करने के लिए एक रणनीतिक गठबंधन हो सकता है।

नीरज चोपड़ा ने कहा, 90 मीटर की दूरी पार करने के करीब हूं

बुडापेस्ट। भारत के भाला फेंक के स्टार खिलाड़ी और ओलंपिक चैंपियन नीरज चोपड़ा पिछले कुछ समय से 90 मीटर की दूरी पार करने का प्रयास कर रहे हैं और उन्होंने कहा कि वह यह लक्ष्य हासिल करने के करीब हैं और उन्हें इसके लिए केवल अनुकूल परिस्थितियों की जरूरत है।

तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता चोपड़ा पिछले साल 90 मीटर की दूरी तक भाला फेंकने के बेहद करीब पहुंच गए थे। तब उन्होंने स्टॉकहोम में डायमंड लीग प्रतियोगिता में 89.94 मीटर भाला फेंका था।

चोपड़ा ने कहा, निश्चित तौर पर मैं इस लक्ष्य के करीब हूं। मुझे बस एक अच्छे दिन की जरूरत है जिसमें मौसम की परिस्थितियां अनुकूल हों। मुझे विश्वास है कि मैं यह लक्ष्य हासिल करने में सफल रहूंगा।

यह स्टार खिलाड़ी यहां विश्व चैंपियनशिप में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेगा। उन्होंने कहा कि वह उनसे लगाई जा रही उम्मीदों से निपटने के आदी हो चुके हैं।

चोपड़ा ने कहा, मैं दबाव झेलने का आदी हो चुका हूं। हालांकि जब मैं हर दो या चार साल में होने वाली प्रतियोगिताओं (जैसे विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक) भाग लेता हूं तो निश्चित तौर पर जिम्मेदारी का बोध रहता है।

उन्होंने कहा, लेकिन मैं हमेशा अपना शत-प्रतिशत देता हूं और अपने प्रदर्शन पर पूरा ध्यान लगाता हूं। पहले कुछ चीजें मुझ पर हावी हो जाती थी लेकिन धीरे-धीरे मुझे इनकी आदत पड़ गई।

चोपड़ा ने 30 जून को 87.66 मीटर भाला फेंक कर लगातार दूसरी बार प्रतिष्ठित डायमंड लीग का खिताब जीता था लेकिन वह अभी तक 90 मीटर की दूरी तक नहीं पहुंच पाए हैं।

बेहद खतरनाक होती है कुकुर खाँसी, इन घरेलू उपायों को अपनाते हुए मिले आराम

जिन बच्चों या बड़ों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है, वो बीमारियों की चपेट में जल्दी आ जाते हैं। इनमें भी विशेष रूप से बच्चे। इनमें से एक है काली खांसी जो कि एक संक्रमण रोग है और श्वसन संबंधी बीमारी है। खासकर 2-3 वर्ष उम्र के बच्चों में काली खांसी अधिक देखी जाती है। काली खांसी को अंग्रेजी में पर्टुसिस और वूपिंग कफ कहा जाता है। वहीं, इसे स्थानीय भाषा में कुकुर खांसी के नाम से भी जाना जाता है। इस बीमारी में कई बार खांसते-खांसते दम फूलने लगता है। आंखें लाल हो जाती हैं। दो सप्ताह से अधिक दिनों तक खांसी रहने पर चिकत्सक से जरूर सलाह लेनी चाहिए। आज हम अपने पाठकों को कुछ ऐसे घरेलू उपायों के बारे में बताने जा रहे हैं जो बच्चों को इस बीमारी से आराम दिलाने का काम करेंगे।

तुलसी- काली खांसी में तुलसी का इस्तेमाल काफी फायदेमंद हो सकता है। इसमें एंटीमाइक्रोबियल गुण होते हैं, जो बैक्टीरिया से लडने और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए आप 10-12 तुलसी के पत्तों को पीस लें। अब इसमें थोड़ा सा शहद मिलाकर छोटी-छोटी गोलियां बना लें। बच्चे को दिन में 3-4 गोली खाने को दें।

मुलेठी- मुलेठी में ग्लाइसिराइजिक एसिड होता है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। इसमें डीमुलसेंट घटक होते हैं जो उत्तकों का इलाज करते हैं। काली खांसी के कारण उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता हैमुलेठी से इलाज के लिए सबसे पहले एक कप पानी को गर्म करें और उसमें एक बड़ा चम्मच मुलेठी का पाउडर डालें। मिश्रण को पांच मिनट तक गर्म होने को रख दें। अब बर्तन को गैस से हटाएं और दस मिनट के लिए ऐसे ही रहने दें। फिर मिश्रण को छानकर पी जाएं। इस प्रक्रिया को कुछ दिनों तक पूरे दिन में दो से तीन बार दोहराएं।

अदरक- अदरक का उपयोग स्वाद के साथ ही सेहत के लिए भी किया जा जाता है। इससे जुड़े एक शोध में पाया गया कि अदरक ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया के खिलाफ एंटीबैक्टीरियल प्रभाव प्रदर्शित कर सकता है। वहीं, काली खांसी का बैक्टीरिया भी एक ग्राम नेगेटिव बैक्टीरिया ही है, इसलिए माना जा सकता है कि अदरक काली खांसी के बैक्टीरिया से लडने का काम कर सकता है। इलाज के लिए अदरक का पेस्ट बना लें। पेस्ट से अदरक का रस निकालें और इसका रोजाना सेवन करें। स्वाद के लिए इसमें आधा चम्मच शहद मिला सकते हैं।

बादाम- बच्चों की काली खांसी खत्म करने के लिए तीन-चार बादाम रात में पानी में भिगाकर रख दें। सुबह बादाम के छिलके उतार लें। इसे एक कली लहसुन और थोड़ी सी मिश्री के साथ पीस लें। तैयार पेस्ट की छोटी-छोटी गोलियां बनाकर बच्चे को खिलाएं। इससे खांसी में आराम मिलेगा। काली खांसी के लक्षण आमतौर पर 5-10 दिनों के भीतर संक्रमित होने के बाद विकसित होते हैं। कभी-कभी काली खांसी के लक्षण 3 सप्ताह तक विकसित नहीं होते हैं।

लहसुन- लहसुन सर्दी, जुकाम और खांसी के इलाज के लिए फायदेमंद है। काली खांसी से छुटकारे के लिए लहसुन की 5-6 कलियों को छीलकर बारीक काट लें। उन्हें पानी में उबाल लें। इस पानी से भाप लें। रोज ऐसा करने से 8-10 दिन में काली खांसी खत्म हो जाती है।

हल्दी- हल्दी में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल गुण होते हैं जो काली खांसी का इलाज करने में मदद करते हैं। इसमें इलाज करने वाले गुण होते हैं जो खांसी के लिए प्रभावी होते हैं, खासकर सूखी खांसी। हल्दी प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करती है और शरीर में मौजूद इन्फेक्शन से लड़ती है। इसके लिए एक ग्लास गर्म दूध में हल्दी मिला लें। मिलाने के बाद दूध को पी जाएं। इस उपाय को पूरे दिन में दो बार करें।

रवि तेजा की टाइगर नागेश्वर राव का टीजर जारी, हिंदी में भी रिलीज होगी फिल्म

रवि तेजा का नाम साउथ के बेहतरीन अभिनेताओं में शुमार है।मौजूदा वक्त में रवि अपनी आने वाली पहली पैन इंडिया फिल्म टाइगर नागेश्वर राव को लेकर चर्चा में हैं। अब निर्माताओं ने टाइगर नागेश्वर राव का टीजर जारी कर दिया है, जो एक्शन से भरपूर है।यह फिल्म 20 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। टाइगर नागेश्वर राव हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

टाइगर नागेश्वर राव का निर्देशन वामसी द्वारा किया जा रहा है, जबकि अभिषेक अग्रवार फिल्म के निर्माता हैं।यह फिल्म इसलिए खास क्योंकि टाइगर नागेश्वर राव के जरिए कृति सैनन की बहन नूपुर सैनन पैन इंडिया डेब्यू करने जा रही हैं। यह तेलुगु इंडस्ट्री में भी उनकी पहली फिल्म होगी।इसमें गायत्री भारद्वाज भी अहमी भूमिका में नजर आएंगे।

आज का राशिफल

मेष- आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। कोई नया काम शुरु करने का विचार आपके मन में आयेगा । किसी दोस्त से अचानक मुलाकात आपके भविष्य लिए फायदेमंद साबित होगी।

वृष- आज कामकाज में सावधानी बरतने की जरूरत है। छोटे स्तर पर शुरू किया गया व्यापार आपके लिए लाभकारी रहेगा। आपने जो लक्ष्य निर्धारित कर रखें हैं, आज उनके काफी करीब पहुंच जाएंगे।

मिथुन- आज का दिन खुशियां लेकर आया है। जो लोग राजनीति से जुड़े हैं, आज उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जो लोग उच्च शिक्षा पाने की इच्छा रखते हैं, उन्हें आज किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला मिलेगा। आज आप मानसिक रूप से स्वस्थ बने रहेंगे।

कर्क- आज आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। आज आपको अपने वाणी पर संयम रखने की जरूरत हैं। इस राशि के जो लोग डॉक्टर हैं आज वो नई क्लीनिक की ओपनिंग करने का मन बनायेंगे, जिसमें परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा।

सिंह- आज का दिन शानदार रहने वाला है। आज किसी सरकारी अधिकारी का सहयोग मिलने से कोई प्रसाशनिक कार्य पूरा होगा। जीवनसाथी के साथ चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी। आज आपके दिमाग में नए-नए विचार आएंगे।

कन्या- आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। साइंस और रिसर्च के फिल्ड से जुड़े लोगो को आज कोई नया प्रोजेक्ट मिलेगा । पूराने कामों का निपटारा करने के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। लोग आपकी मदद के लिए तैयार रहेंगे।

तुला- आज किस्मत आपके साथ रहेगी। आज समाज में आपकी एक अलग ही छवि निखर कर सामने आएगी। ऑफिस में जो काम आपने किया है, उसका श्रेय किसी और को न ले जाने दें। बॉस आपको किसी जरूरी काम से दूसरे शहर की यात्रा पर भेज सकते हैं।

वृश्चिक- आज का दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला है। महिलाएं आज रसोई घर में काम करते हुए थोडी सावधानी जरूर बरते । आज आपमें सफलता और उच्चपद पाने की इच्छा जागृत होगी, जिससे आप और अधिक मेहनत करेंगे।

धनु- भविष्य की योजनायें बनाने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा। इस राशि के जो लोग मार्केटिंग के क्षेत्र से जुड़े हैं आज उन्हें काफी धन लाभ होने वाला है। आज जीवन में चल रही समस्याओं का समाधान निकलेगा।

मकर- आज का दिन बहुत ही बढिया रहने वाला है। आज किसी कार्य में पड़ोसियों का सहयोग मिलेगा। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आज सफलता में आ रहीं रुकावटें दूर होंगी।

कुंभ- आज का दिन महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज कोर्ट कचहरी में चल रहे मुकदमों का फैसला आपके पक्ष में आएगा। राजीनीति से जुड़े लोगों को आज किसी सामाजिक समरोह में जाने का मौका मिलेगा।

मीन- आज का दिन मिला-जुली प्रतिक्रिया देने वाला है। आज कुछ नए मौके भी मिलेंगे, जो आपको आर्थिक लाभ कराएंगे। पहले किये गये प्रयासों का फल आज मिलने वाला है।

शब्द सामर्थ्य- 159

बाएं से दाएं :
1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संख्या 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे
1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

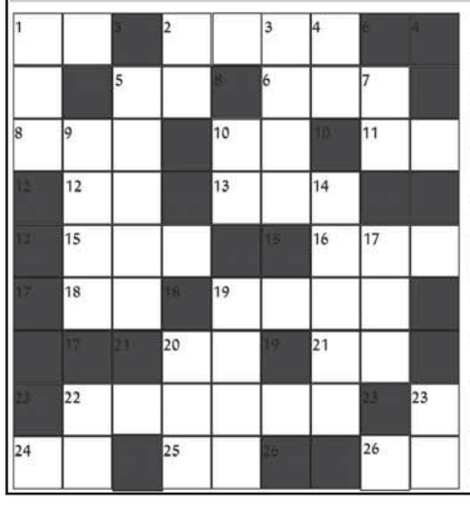

शब्द सामर्थ्य क्रमांक158 का हल

स्वा	द	■	सा	म	ना	■	कै	दी
व	■	ख	ल	ना	य	क	■	वा
लं	प	ट	■	ना	क	क	ट	ना
बी	■	प	■	■	■	ड़ी	■	प
■	अ	ट	प	टा	■	■	शा	न
स	ह	■	यो	■	■	र	ति	■
ह	म	■	द	र	ब	द	र	■
म	क	र	■	सी	ल	■	■	■
त	■	क्षा	■	द	वा	खा	ना	■

सू-दोकू- 159

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.158 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7